INSTITUTO
MARIA E JOÃO
ALEIXO

हाशियें का घोषणापत्र

# हाशियें और शहर में उनका महत्व

मार्च २०१७, इंस्टीटूटो  मारिए इ जोआओ अलेक्सो (आई ऍम जे ए) ने पहली वैश्विक हाशियें  अंतरराष्ट्रीय (संगोष्ठी) का आयोजन मरे, रिओ दे जनेरो में किया। इसका उद्देश्य उन संस्थाओं, समूहों, लोगों, आंदोलन तथा लोगों के बीच एक सामंजस्यपूर्ण समझ पैदा करना था जो आज की दुनिया ने अलग-अलग जगहों पर हाशियें के समाज में भाग लेते हैं। हालांकि, इस समझ में आगे योगदान किया जा सकता हैं।

इस तरह का प्रयास कोई साधारण या तुच्छ काम नहीं है।  वास्तव में, जैसा की कि यह प्रचलित है हम एक ऐसी दुनिया में रहते हैं जो कि हाशियें के समाज और उनमे रहने वाले  लोगों का प्रतिनिधित्व मुख्य तौर पर करता है। हाशियें के समाज की आर्थिक, राजनैतिक, सामाजिक एवं पर्यावरणीय वास्तविकताओं को समझने में समाज का रूढ़िवादी मूल्यांकन एक जटिल समस्या पेश करता है। जैसा कि कल्पित वास्तविकता की नींव के लिए मौलिक है, हाशियें का रूढ़िवादी प्रतिनिधित्व, जहां शहरों का सबसे गरीब समाज समूह रहता है, अक्सर सार्वजनिक नीतियों और निजी निवेश को प्रभावित करते है। साथ ही में, इन निवासियों की वास्तविक जरूरतों को पूरा करने के बजाय, इस तरह का प्रतिनिधित्व, सामग्री और प्रतीकात्मक उपयोग की प्रक्रियाओं को मजबूत करती हैं जो हाशियें के समूहों द्वारा शहर पर अधिकारों का उपयोग करने के लिए बनाए गए सामूहिक रणनीतियों को कमजोर करती हैं।

वर्तमान के सामाजिक-आर्थिक एवं राजनैतिक प्रणाली में स्टीग्मटिज़ेशन दोनों आधिपत्य (हेगेमॉनिक) व् अधीनस्थ (नॉन-हेगेमॉनिक ) में होता है।  अवधारणाएं अक्सर सामाजिक-केंद्रित होती हैं और हाशियें की परीक्षा अक्सर शहरीवादी सिद्धांतों और सांस्कृतिक / सौंदर्य मान्यताओं से संबंधित मॉडल पर आधारित होती है जो अधिपत्य सामाजिक समूहों और प्रमुख वर्गों द्वारा निर्धारित होती हैं। ये समूह यह स्थापित करते है कि वर्त्तमान 'सभ्य' तंत्र में शहर को चलाने में क्या स्वस्थ, सुखद व् उचित हैं।  वे यह भी परिभाषित करते हैं कि वह कौन सी विशिष्ठ सत्ता की संधारणा है  और वो कौन सी समाजिक व्यवहार व् कार्य हैं जिसे उचित माना जाय।

इसके अलावा, अनुपस्थिति, आभाव, और सदृशता की अवधारणा को प्रोत्साहित किया जाता है।  ये कारक हाशियें  की शहर के अन्य प्रसार से सम्बंधित  अपचयवादी बोध और पदानुक्रमिक वर्गीकरण  में प्रचलित होते हैं। ऐसी प्रक्रिया में इस बात पर जोर दिया जाता है कि हाशिया की तुलना शहर के आदर्श मॉडल से नहीं होती हैं जिसे समृद्ध जनसंख्या द्वारा, अधिकांश मामलों में औपनिवेशिक सांस्कृतिक और शैक्षणिक मॉडल के आधार पर होती है। इस दृष्टिकोण से, हाशियें अस्थिर प्रसार प्रतीत होतें हैं और हाशियें पर रहने वाले अधीन लोग जिन्हें उनके  इतिहास से वंचित किया गया हैं। वो प्रसार जहाँ वो रहते हैं उस निवास को जायज़ नहीं माना गया हैं और न ही उनके वास को। प्राय: उन्हें साथ ऐसा बर्ताव किया जाता हैं जो विदेशीय  हैं (जैसे, 'अ-सभ्य').

INSTITUTO
MARIA E JOÃO
ALEIXO

हाशियें का घोषणापत्र

# हाशियें और शहर में उनका महत्व

हाशियें का अस्तित्व समाजिक संस्थाओं से सम्बंधित होता हैं, खासकर राज्य और औपचारिक बाज़ार से। इस सम्बन्ध में, हाशियें का गठन प्राय: वैसे उपजीविकाओं  से होते हैं जो राज्य या बाज़ार द्वारा परिभाषित अधिपत्यवादी प्रणाली का पालन नहीं करते हैं, और जब इनकी रचना इन संस्थाओं द्वारा होता हैं तो हाशियें को अधीनस्था व् अस्थिरता के उदाहरण के तौर पर पेश किया जाता हैं। ऐसा दृष्टिकोण, अधीनस्थ को उनकी पहचान से और हाशियें पर बनने वाले विविध व्यावहारिक नई खोजों और ज्ञान से भी वंचित करते हैं।

हाशियें की मौज़ूदगी सामाजिक संस्थानों से सम्बंधित होती हैं, ख़ासकर राज्य और औपचारिक बाजार की वजह से। इस तनावपूर्ण संबंध में, उन्हें अक्सर ऐसे उपजीविका के रूप में दर्शाया जाता है जो राज्य या बाजार द्वारा परिभाषित अधिपत्य (हेगेमोनिक) मॉडल का पालन नहीं करते हैं। जब ये संस्थायें, हाशियें को अनिश्चितता के दृष्टिकोण के माध्यम से दर्शातें हैं तो वह हाशियें के क्षेत्रों में पहचान, सरलता और विशाल ज्ञान को खारिज कर देते हैं।

इस घोषणापत्र के समर्थक हाशियें की अपचयवादी, रूढ़िबद्ध और अयोग्यवादी दृष्टिकोण को अस्वीकार करते हैं। हाशियें का अपना एक समाजिक, आर्थिक, व् सांस्कृतिक बहुवादी स्वरूप और गतिशीलता हैं जो उनके परिभाषा को चुनौती देते हैं। इस तरह से, एक व्यापक संरचनात्मक तंत्र की ज़रूरत होती हैं जो और  विस्तृत व्याख्या को समझने में सहायता करे। इस बात को स्वीकार करते हुए कि पूरे संसार में हाशियें की स्थिति और उनका काम करने की प्रक्रिया विविध हैं, उनके बीच बहुत सारे सामान्य बातें भी हैं।  हम मानते हैं कि प्रत्येक हाशियें शहर का अविभाज्य अंग होता हैं। यह शहरी ताने-बाने का संयोजन होने के साथ उसमें एकीकृत होता हैं। हाशियें शहर के केंद्र होते हैं जो इसको  पहचान, अर्थ और मानवता प्रदान करते हैं।

हाशियें को नकारात्मक तरीके से परिभाषित नहीं करनी चाहिए जो वे नहीं हैं और नहीं उनका संबंध सामाजिक-प्रादेशिक सक्रियता या अधिपत्य केंद्र से इसकी भौतिक दूरी से हैं। हाशियें को उसके दैनिक क्रियाकलापों के लिए पहचानना चाहिए जो शहर की सामाजिक परिवेश को तैयार करता हैं। इस तरह के सामाजिक परिवेश में प्रत्येक हाशियें के उपलब्धि की संभावनाओं, प्रसार के व्यवसाय के विभिन्न स्वरूपों, अधिपत्य-प्रतिकार संवाद व्यवस्था विशिष्ठ होते हैं।

यह समानता बनाने के लिए आवश्यक अधिकार है कि हाशियें के वाशिंदों के द्वारा स्थापित क्रियाकलापों को स्वीकृत किया जाय और उनके सामाजिक जीवन के सामान्य स्थितियों को आधार मानकर सभ्य आवास को परिभाषित किया जाय और साथ में यह भी सुनिश्चित किया जाय कि उनके भलाई के लिए आवश्यक शर्तें क्या हो।

INSTITUTO
MARIA E JOÃO
ALEIXO

हाशियें का घोषणापत्र

# हाशियें और शहर में उनका महत्व

अतः इस पत्र के समर्थक हाशियें को शहर का, आंशिक या पूरे तरीके से, हिस्सा मानते हैं जो कि निम्नलिखित चुनौतिओं पर आधारित हैं जो वहां के निवासी सामना करते हैं:

- मजदूरों की अधीनस्थ और अनौपचारिक बाज़ार के पेशे में भागीदारी।
- बेरोज़गारी, अल्प रोज़गार व् रोज़गार से सम्बंधित अनौपचारिकता, ख़ास कर नौजवान के लिए उत्तर दर में हैं।
- उत्पीड़न या शोषण की स्थितियों में इन समूहों की अधिक सघनता - काले (ब्लैक) और मूल निवासी, अप्रवासी, बंजारे, शरणार्थियों, धार्मिक और जातीय या नस्ली अल्पसंख्यकों और अन्य वे समूह जिनके साथ भेदभाव होता हैं, वो लोग अपने सांस्कृतिक प्रथाओं और पहचानों को बनाए रखने के लिए निरंतर प्रयास करते रहते हैं।
- सार्वजनिक स्थानों में हिंसा की अत्यधिक घटनाएं- जो कि ड्रग के खिलाफ़ जंग का परिणाम है- और राज्यकीय सुरक्षा बलों और आपराधिक समूहों दोनों से प्रभावित है।
- असमान लिंग संबंधों की उपस्थिति के कारण महिलाओं और लड़कियों के खिलाफ उनके दैनिक जीवन में हिंसा की उच्च दर इसका सबूत है।
- एल जी बी टी (LGBT) समूह के अधिकारों का हनन और उनके प्रति पूर्वाग्रह की व्यापक घटनाएं- ख़ासकर ट्रांस (trans) समूह का, जो कि इस समूह के अत्यधिक हत्या दर का कारण हैं।
- मजबूत नस्लीय और प्रजातीय शाख (प्रोफ़ाइल) वाले युवा लोगों के खिलाफ घातक हिंसा की व्यापक घटनाएं;
- शहर के औसत के नीचे औपचारिक शिक्षा का स्तर;
- गैर सरकारी और सार्वजनिक संगठन के कार्यों के कारण पर्यावरणीय गिरावट और बहिष्कार की प्रक्रियाओं द्वारा चिह्नित क्षेत्रों;

हम यह भी दावा करते हैं कि हाशियें में असीम संभावनाएं है:

- एक युवा आबादी की उपस्थिति जो नवीन परिवर्तन का स्रोत पेश करती है और व्यापक मांगों और सार्वजनिक कार्यवाही की मांग करती हैं जिससे अधिकारों सुनिश्चित हो सके;
- एक मजबूत पड़ोसी और समानता सम्बन्ध जो कि एक मजबूत प्रशंसा के साथ मिलनसार, पारस्परिकता और एकजुटता के आधार पर सामान्य स्थानों को एक सामाजिक-सांस्कृतिक सहअस्तित्व की कार्यस्थल के रूप में स्थापित करते हैं ;
- सांस्कृतिक, कलात्मक, और प्रदर्शनकारी रूपों, साधनों और तरीकों के विभिन्न रूप जो शहरी कथा/इतिहास का आविष्कार, नवीकरण और कार्यान्वित करते हैं
- एकजुटऔर लोकप्रिय घरेलू आर्थिक पहलों की मजबूत उपस्थिति;

INSTITUTO
MARIA E JOÃO
ALEIXO

हाशियें का घोषणापत्र

# हाशियें और शहर में उनका महत्व

- हाशियें के क्षेत्रों  में अपर्याप्त, अनुपस्थित और / या अपर्याप्त स्थिति और औपचारिक बाजार निवेश के जवाब में शहरी, शैक्षणिक, आर्थिक और अचल संपत्ति सेवाओं और उपकरणों के वैकल्पिक रूपों की मजबूत उपस्थिति;
- हाशियें के निवासियों द्वारा सार्वजनिक स्थान के स्व-नियंत्रण की उच्च अवस्था, उनके अनुभव और स्वायत्तता का प्रयोग को दर्शाते हैं;
- आवास के संदर्भ में रचनात्मक शहरी समाधान, सार्वजनिक सेवाओं के प्रावधान और सामुदायिक आधारभूत संरचना, जिसे पूरे शहर के संदर्भ के रूप में माना जाना चाहिए;
- बहुसांस्कृतिक और बहुसंख्यक प्रथाओं का स्थान जो विभिन्न राष्ट्रीयताओं, जातियों और धर्मों के बीच सह-अस्तित्व के अनुभवों के आधार पर बनती हैं जिसमे संघर्ष और असहिष्णुता की स्थितियों के अस्तित्व को नजरअंदाज किया जाता है;
- आविष्कार और ज्ञान उत्पादन की कार्यस्थल, जिसकी जटिलता को समाज व्यापक रूप से पहचाने और उपयोगी मानते हैं;
- सहभागी सामूहिक प्रणाली, आंदोलनों और सामाजिक संगठनों की उपस्थिति उनके अधिकारों के लिए लड़ रही है और शहर के बेहतर लोकतांत्रिककरण की दिशा में मांगों और कार्यों की सीमा का विस्तार करती है।

शहर को अपनी विविधता में समझने के लिए प्रत्येक क्षेत्र की विशिष्टताओं को पहचानना और सभी निवासियों की नागरिकता और एजेंसी की पुष्टि करना है, ऐसा करने के लिए, हाशियें के वाशिंदों को नायक के रूप में पहचानने की आवश्यकता है जो स्वयं और अपने सामाजिक और सांस्कृतिक प्रथाओं, प्रतिरोध के प्रतीक और पुनर्विचार के प्रतीक और उनके अधिकारों का प्रयोग करने में सक्षम हैं-जिसे सार्वजनिक नीतियों के माध्यम से सुनिश्चित करना चाहिए। यह हर किसी के द्वारा 'स्पेस' के वैध उपयोग की मान्यता पर बनाए गए लोकतांत्रिक सामाजिक जीवन की पूर्ण मान्यता के लिए आवश्यक है। इस सिद्धांत को सुनिश्चित करने के लिए शहर के अधिकार के एक मौलिक लोकतांत्रिक अनुभव के गठन की आवश्यकता है।

अनुवाद:
संतोष कुमार
क्राइस्ट (डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी)
बेंगलुरु, भारत
Translated by:
Santosh Kumar
CHRIST (deemed to be University)
Bengaluru, India.